Inauguration of Incubation & Entrepreneurship Development Cell at IUD- April 10, 2018

i)Amar Ujala

इक्फाई में उद्यमिता विकास कक्ष का शुभारंभ

देहरादून (ब्यूरो)। इक्फाई विश्वविद्यालय के ऊष्मायन और उद्यमिता विकास कक्ष (आईईडीसी) का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उद्यमिता संस्थान और लघु व्यवसाय विकास (एनआईईएसबीयूडी) के सलाहकार अमित सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि आईईडीसी का मुख्य उद्देश्य जागरूक करना और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करना है। इस दौरान इक्फाई विवि के वॉइस चांसलर डॉ. पवन अग्रवाल, अरुण बहादुर चंद, रोहित मैसी, आईयूडी के प्रो. वाइस चांसलर प्रो. मधु विजय, रजिस्ट्रार कर्नल (सेवानिवृत्त) एसी दत्ता, डॉ. संदीप विजय, मोनिका खरोला, सरिता नेगी आदि मौजूद रहे।

ii)Dainik Jagran

उद्यमी युवा से ही राष्ट्र का विकास संभव

संवाद सहयोगी, विकासनगर: इक्फाई विश्वविद्यालय सेलाकुई में शुक्रवार को ऊष्मायन और उद्यमिता कक्ष का उद्घाटन किया गया।

मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उद्यमिता संस्थान के सलाहकार अमित सिंह ने कहा कि उद्यमिता विकास कार्यक्रम का उद्देश्य बेरोजगार युवकों में कौशल का विकास करना, गैर सरकारी संस्थानों और महिला स्वयंसेवा समूह व विकास के क्रियाकलाप में लगी अन्य विकासात्मक एजेंसियों की क्षमता बढ़ाना है। जिससे विज्ञान व प्रौद्योगिकी का लाभ प्रत्येक युवा तक पहुंच सके। कहा कि इसके लिए युवाओं का उद्यमी होना जरूरी है। उद्यमी युवा से ही राष्ट्र का विकास संभव है। विश्व विद्यालय के कुलपति डॉ. पवन कुमार अग्रवाल ने कहा कि नए विचारों के आने पर युवाओं को उन विचारों को मूर्त रूप में लाने का प्रयास करना चाहिए। जिससे कि विचार धरातल पर उतर कर विकास कार्यों में सहायक बने। छात्र-छात्राओं को भारत सरकार की उद्यमिता व कौशल विकास के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी भी मुहैया कराई गई। इस दौरान डॉ. वीएन सक्सेना, नवीन कुमार, राघवेंद्र शर्मा, डॉ. संदीप विजय, मोनिका खरोला आदि मौजूद रहे।

iii)Rashtriya Sahara

छात्र-छात्राओं को दिए उद्यमशीलता के टिप्स

■ देहरादून/एसएनबी।

इक्फाई विवि में उद्यमिता विकास पर मंथन

इक्फाई विश्वविद्यालय में ऊष्मायन और उद्यमिता विकास केन्द्र (आईईडीसी) की स्थापना की गई है। आईईडीसी के जरिये लोगों को जागरूक किया जाएगा। साथ ही उद्यमशीलता की संस्कृति को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

विवि परिसर में स्थापित केन्द्र का उद्घाटन राष्ट्रीय उद्यमिता संस्थान और लघु व्यवसाय विकास (एनआईईएसबीयूडी) के सलाहकार अमित सिंह ने किया। मुख्य अतिथि अमित सिंह ने कहा कि एक उद्यमी के लिए ऐसे महत्वपूर्ण कारक हैं। उद्यमशीलता सिर्फ एक नया उद्यम शुरू करने के लिए नहीं है, बल्कि उद्यमशीलता नवाचार, मौजूदा विचारों, तकनीकों व सेवाओं से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि उद्यमी प्रौद्योगिकी या सेवा के अंतर को समझकर उसका समाधान करता है। उन्होंने छात्रों को उद्यमिता की बारीकियों को समझाया। साथ ही छात्रों को उद्यमशीलता के लिए स्वयं के स्टार्टअप व बिजनेस इनक्यूबेटर विकसित करने के लिए प्रेरित किया। विवि के कुलपति ने कहा कि सेल से छात्रों और लघु व्यवसायियों को उद्यमशीलता कौशल हासिल करने का अवसर मिलेगा। वाइस चांसलर डा. पवन अग्रवाल ने तकनीकी रूप से अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने पर जोर दिया।

इस मौके पर डा. वीएन सक्सेना, नवीन कुमार, राघवेंद्र शर्मा, डा. नितिका सिंह, अरुण बहादुर चंद, रोहित मैसी, प्रो. मधु विजय, रजिस्ट्रार कर्नल एसी दत्ता, डा. संदीप विजय, मोनिका खरोला व सरिता नेगी आदि मौजूद थे।